शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारी तेज, एक सप्ताह में केंद्र सरकार की टीम जांच करने आएगी

स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों का सम्मान

पहल

नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

सेक्टर-6 इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित स्वच्छता सम्मान समारोह में सोमवार को 125 लोगों को सम्मानित किया गया। स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को नगद और सम्मान चिन्ह दिए गए।

स्ट्रीट वेंडर, सतर्क नागरिक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वच्छता मूवी मेकिंग और स्वच्छता जिंगल मेकिंग में पहला, दूसरा व तीसरा स्थान पाने वालों को 21, 15 और 10-10 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने है कि बिना लोगों के सहयोग के स्वच्छता में टॉप पर आना संभव नहीं है। आज सम्मानित हुए लोग खुद को नोएडा का ब्रांड एम्बेसडर समझ सफाई के मामले में और मेहनत से काम करें।

इंदौर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां के लोग एक-दूसरे को गंदगी फैलाने से रोकते हैं। स्वच्छता को लेकर ऐसी ही भावना यहां के लोगों के अंदर आनी चाहिए।

स्वच्छ भारत अभियान में काम करने के लिए यूफलैक्स कंपनी के दिनेश जैन को भी प्राधिकरण की ओर से सम्मानित किया गया। कंपनी ने प्लास्टिक वेस्ट और प्लास्टिक बॉटल को रिसाइकल कर अन्य उत्पाद बनाने के लिए प्लांट लगाया। दो स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराया तथा गांवों में दस तालाब साफ कराये।

सेक्टर-6 में सोमवार को लोगों को सम्मानित करतीं सीईओ रितु माहेश्वरी।

आम लोगों का सहयोग जरूरी

सीईओ ने कहा कि बीते समय में गंदगी के ढेर वाले 400 स्थानों को विलोपित कूड़ा घर में तब्दील किया जा चुका है। शहर को सफाई के मामले में टॉप पर लाने के लिए इंडस्ट्री, आरडब्ल्यूए, सामाजिक संगठन सहित सभी को प्राधिकरण के साथ मिलकर काम करना होगा, अकेले प्राधिकरण कुछ नहीं कर सकता। कार्यक्रम में ओएसडी इंदु प्रकाश, अविनाश त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनस्वास्थ्य विभाग में बतौर डीजीएम रहे एससी मिश्रा 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इनका न तो कार्यकाल का समय आगे बढ़ाया गया है और न ही इनको अभी तक अस्थाई रूप से दोबारा सेवा में रखा गया है। इसके बावजूद सोमवार को हुए कार्यक्रम में एससी मिश्रा वर्तमान अधिकारियों के साथ मंच पर विराजमान रहे। प्रेस रिलीज में भी अपना नाम लिखकर उसको जारी किया। इस प्रक्रिया से प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नाराज नजर आए।